THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): (a) A sum of Rs. 38.50 lakhs was sanctioned from the Prime Minister's National Relief Fund for distribution @ Rs. 1 lakh each to the next-of-kin of the 35 deceased and @ Rs. 50,000/- each to the seven seriously injured persons. In addition, financial assistance was also provided out of the Chief Minister's Relief Fund for distribution among the next-of-kin of those deceased and thos injured @ Rs. 50,000/- and Rs. 1,000/- each respectively. 33 blankets, 50 gents suits and 50 ladies suits have also been distributed to the each family by Governor.

(b) Recruitment of Constables in Central Para-Military Forces is done on the basis of pro-rata population ratio of each State/UT and also having regard to the special needs of each area.

कम्प्यूटरों में हिन्दी का प्रयोग

847. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कम्प्यूटरों में राजभाषा हिन्दी/देवनागरी लिपि के प्रयोग के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किये गए हैं; और

(ख) क्या केन्द्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों, बीमा कम्पनियों और अन्य उपक्रमों में कम्प्यूटर के प्रयोग की वजह से हिन्दी की बजाय अंग्रेजी के प्रयोग में वृद्धि हो रही है?

गृह मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवानी): (क) शासकीय कार्यों में कम्प्यूटरों के बढ़ते प्रयोग में हिन्दी में कार्य करने के लिए शासन निरन्तर प्रयत्न कर रहा है। संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिवेदन में की गयी सिफारिशों के अनुसार केन्द्रीय सरकार के सभी कार्यालयों में द्विभाषी (हिन्दी/अंग्रेजी) कम्प्यूटर खरीदे जाने के निदेश दिये गये है। इस दिशा में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र ने मंत्रालयों/विभागों की जिस्ट कार्ड/जिस्ट टर्मिनल तथा अन्य द्विभाषी साफ्टवेयर उपलब्ध करवाए हैं। कुछ मंत्रालयों/विभागों आदि ने बाजार में उपलब्ध द्विभाषी साफ्टवेयरों की खरीदकर उनसे हिन्दी में कार्य करना आरम्भ कर दिया है, तथा कुछ कार्यालयों ने अपने कार्य की प्रकृति को ध्यान में रख द्विभाषी साफ्टवेयर तैयार करवाये हैं। राजभाषा विभाग ने भी सी-डैक, पुणे द्वारा कम्प्यूटर के माध्यम से हिन्दी सीखने के लिए साफ्टवेयर तैयार करवाये है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र तथा राजभाषा विभाग द्वारा कम्प्यूटरों पर हिन्दी में कार्य के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाए जा रहे हैं। हिन्दी साफ्टवेयर विकल्पों के प्रचार-प्रसार का कार्य भी राजभाषा विभाग अपने प्रकाशनों, मल्टीमीडिया फिल्मों, संगोष्ठियों तथा कम्प्यूटर प्रदर्शनियों के माध्यम से करता है।

(ख) प्रारम्भ में कम्प्यूटरों में केवल अंग्रेजी में कार्य करने की क्षमता उपलब्ध थी परन्तु जैसे-जैसे इनका प्रयोग बढ़ा, इन पर अंग्रेजी के अतिरिक्त हिन्दी में भी कार्य के लिए साफ्टवेयरों का विकास किया गया जिनकी उपलब्धता से केन्द्र सरकार के कार्यालयों आदि में कम्प्यूटरों में हिन्दी में कार्य की गति निरन्तर बढ़ रही है।

State capital for Punjab

848. SHRI LAJPAT RAI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Punjab continues to be a State without its own capital after its formation;

(b) whether Government are aware that non-existence of State's own capital has resulted into reduction of its progress in the fields of culture, education, employment and development; and

(c) if so, whether Government would take suitable measures to help the State in buildings its own State Capital?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L. K. ADVANI): (a) to (c) Prior to the division of composite State of Punjab into Punjab and Haryana in 1966 under the Punjab Reorganisation Act, 1966, Chandigarh was the capital of Punjab. After Reorganisation of Punjab in 1966 Chandigarh was given the status of a Union Territory having the capital of both the States of Punjab and Haryana. It will not be correct to say that absence of an exclusive capital has harmed the progress of the State of Punjab in any manner. Punjab is economically one of

the most prosperous and culturally one of the most vibrant States of India. Central Government would like the States of Punjab and Haryana to sort out their inter-state disputes and would be willing to give a helping hand.

ISI attempt to blast temples

849. SHRI RAGHAVJI:
PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in recent few months, attempts by ISI agents to blast a temple in Jammu were foiled;

(b) whether similar attempts were made to attack religious places in various parts of the country also; and

(c) if so, what steps are being taken to meet the threat posed by ISI activities?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): (a) Government is not aware of any such attempt. However, recoveries made from a militant killed in an incident had revealed that he had planned to blow up a temple in the Jammu area.

(b) and (c) Government is aware of the sinister designs of Pak ISI to destablise India by sponsoring terrorism and subversive activities in different parts of the country including its effort to target and train misguided youths for engineering violence. A close and continuous watch is, therefore, being kept on the situation and all necessary efforts, including sustained operations against terrorists and subversive elements, are being made to ensure that such designs are not allowed to succeed. Government have taken several steps which include sensitising and gearing up of the intelligence machinery, sharing of intelligence and coordinated action by concerned Central and state agencies, border fencing, intensification of border patrolling, upgrading of technical equipment with the security forces, increase in number of check posts as well as sensitising and alerting the various State Governments regarding movement of Pak ISI agents, anti-national elements and insurgents.

उत्तरांचल राज्य में उधम सिंह राज्य को शामिल किया जाना

850. श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:
श्री कपिल सिब्बल:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा उधम सिंह नगर जिले को उत्तरांचल राज्य में शामिल करने या न करने के सम्बन्ध में सिफारिश देने हेतु एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है;

(ख) यदि हां, तो समिति के सदस्य कौन-कौन से थे और क्या समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार सरकार को सौंप दी है;

(ग) यदि हां, तो उसकी सिफारिशें क्या हैं; और

(घ) सरकार की समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के संबंध में क्या प्रतिक्रिया है?

गृह मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी): (क) से (घ) इस संबंध में एक तीन सदस्यीय समिति, जिसके अध्यक्ष रक्षा मंत्री तथा पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सदस्य होंगे, का गठन किया गया है। समिति की रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

भारत में गैर-सरकारी संगठनों को विदेशी दानदाताओं द्वारा वित्त पोषण किया जाना

851. प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा:
श्री राघवजी:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में गैर-सरकारी संगठनों को धन भेजने वाले प्रमुख विदेशी दानदाता कौन-कौन से हैं तथा उनकी राष्ट्रीय क्या है;

(ख) उनमें से प्रत्येक द्वारा कितनी राशि भेजी गई;

(ग) क्या इस उद्देश्य से समक्ष प्राधिकारी की पूर्व अनुमति ली गई थी; और

(घ) सरकार के पास क्या व्यवस्था है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि जिन उद्देश्यों के लिए यह